PARMAR SSC

SSC GK

SSC GK BATCH 2.0

Economics

Money & Banking Part-2

Lecture :- 8

For Notes Join Telegram :

Click on the icon.

OR Scan

For Lectures Subscribe Our Parmar SSC Youtube Channel

Click on the icon.

OR Scan

मौद्रिक समुच्चय / Monetary aggregates

मौद्रिक समुच्चय का उपयोग राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को मापने के लिए किया जाता है।

M_0 [आरक्षित धन] → 1. वह मुद्रा जो परिचालित की जा रही है।
उच्चशक्ति प्राप्त धन
आधार धन
2. RBI के पास बैंकरों की जमा
3. RBI के पास अन्य जमाएँ

M_1 : नैरो मनी → 1. वह मुद्रा जो जनता की है।
{Narrow money}
2. बैंकिंग प्रणाली में मांग जमा / मांगजनित
3. RBI के पास अन्य जमा।

M_2 : Narrow मनी → 1. M_1 + डाकघर के साथ बचत जमा

M_3 : } ब्रॉड मनी → 1. M_1 + बैंक के साथ सावधि जमा (Time deposit)

M_4 : → 1. M_3 + डाकघर में पूरा जमा

मुद्रा गुणक / Money Multiplier:

$$\text{मुद्रा गुणक} = \frac{1}{\text{आरक्षित निधि अनुपात}} = \frac{\text{प्रचलन में मुद्रा}}{\text{रिजर्व मुद्रा}}$$

" प्रत्येक राशि के भंडार के संयोजन में बैंक जो राशि उत्पन्न करता है, उसे धन गुणक कहा जाता है। "

तरलता के आधार पर: $M_1 > M_2 > M_3 > M_4$

PARMAR SSC

धन के संचालन का वेग / Velocity of circulation of Money:

यह अवधारणा किसी समयावधि के दौरान धन के आदान-प्रदान की गति को दर्शाती है।

धन का मात्रा सिद्धांत : Quantity theory of Money:

इरविंग फिशर

" पैसे का मात्रा सिद्धांत कहता है कि कीमतो का स्तर सीधे पैसे की मात्रा के साथ बदलता रहता है। "

पैसे की मात्रा को दोगुना करें, और अन्य चीजे समान हो, कीमतें पहले की तुलना मे दोगुनी होगी, और पैसे का मूल्य एक-आधा होगा।

$$M \times V = P \times T$$

M → मनी सप्लाई
V → Velocity of Circulation
P → धन मूल्यस्तर
T → सभी लेनदेन

QUANTITY THEORY OF MONEY

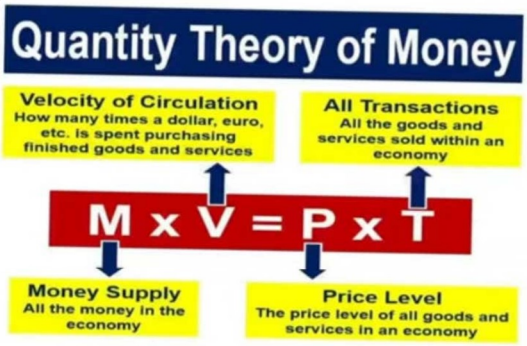

बेसल मानदंड / Basel Norms:

स्वीट्जरलैण्ड — अंतर्राष्ट्रीय निपटान बैंक का HQ - BASEL

1930

बेसल समिति - 1974, G10

1. बेसल 1 : 1988

क्रेडिट जोखिम

न्यूनतम पूंजी आवश्यकता जोखिम - भारित परिसंपत्तियो के 8% के रूप मे निर्धारित (Risk-weighted assets)(RWA)

↳ पूंजी पर्याप्तता अनुपात (Capital adequacy Ratio) (CAR)

PARMAR SSC

MBFC- MFI ⟶ CAR → 15% of RWA

2. **बेसल 2** : 2004

3. **बेसल 3** : 2008 ⟶ 12.9%

Tier 1 } Capital ⟶ बेसल मानदंड
Tier 2

◉ यदि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति को C से दर्शाया जाता है तो सरकारी व्यय गुणक को किस रूप मे व्यक्त किया जा सकता है- $\frac{1}{1-C}$

PARMAR SSC